समास

दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुये नये सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

समास के भेद :- समास के 6 मुख्य भेद हैं।

① अव्ययीभाव समास
② तत्पुरुष समास
③ कर्मधारय समास
④ द्विगु समास
⑤ द्वंद्व समास
⑥ बहुव्रीहि समास

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

① **अव्ययीभाव समास** :- जिस समास का पहला पद अव्यय तथा प्रधान हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

Trick - पहला पद छोटा - प्रधान

उदाहरण -

प्रतिदिन	=	प्रति + दिन
आजन्म	=	आ + जन्म
सहर्ष	=	स + हर्ष
यथासंभव	=	यथा + संभव
प्रतिकूल	=	प्रति + कूल

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

Nob = एक ही शब्द कई बार आने पर भी अव्ययीभाव समास होता है।

जैसे - हाथों-हाथ = हाथ + हाथ
दिनों-दिन = दिन + दिन

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

② तत्पुरुष समास :- जिस समास में दूसरा पद प्रधान होता है तथा दोनों पदों के बीच का कारक चिह्न लुप्त हो जाता है उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।

Trick - दूसरा पद छोटा होता है - प्रधान

उदाहरण - राजकुमार = राजा का कुमार
राजपुत्र = राजा का पुत्र
यशप्राप्त = यश को प्राप्त
करुणापूर्ण = करुणा से पूर्ण
यज्ञशाला = यज्ञ के लिए शाला
पापमुक्त = पाप से मुक्त
शिवालय = शिव का आलय
पुरुषोत्तम = पुरुषों में उत्तम

तत्पुरुष समास के भेद :- 6 भेद

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

① कर्म तत्पुरुष - को का लोप
② करण तत्पुरुष - 'से', 'के द्वारा' का लोप
③ सम्प्रदान तत्पुरुष - के लिए का लोप
④ अपादान तत्पुरुष - से (अलग होने) का लोप

NEXT EXAM

⑤ सम्बंध तत्पुरुष – का, की, के का लोप

⑥ अधिकरण तत्पुरुष – में पर का लोप

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

③ कर्मधारय समास - जिस समास का उत्तर पद प्रधान होता है तथा पूर्वपद व उत्तर पद में उपमान उपमेय तथा विशेषण-विशेष्य का संबंध होता है उसे कर्मधारय समास कहते हैं।

Trick :- ① पहला पद विशेषण
② दूसरे पद की तुलना होती है।
③ विग्रह करने पर मध्य में 'है जो' 'के समान' आते हैं।

उदाहरण - चरणकमल - कमल के समान चरण
महापुरुष - महान है जो पुरुष
मृगनयन - मृग के समान नयन
लालमणि - लाल है जो मणि

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

④ द्विगु समास - जिस समास का पहला पद संख्यावाचक होता है वह द्विगु समास कहलाता है।

Trick - संख्यावाले शब्दों का प्रयोग

उदाहरण - चौराहा - चार राहों का समूह
त्रिकोण - तीन कोणों का समूह
तिरंगा - तीन रंगों का समूह

NEXT EXAM

⑤ **द्वंद्व समास** - जिस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और' अथवा, या, एवं लगता है वह द्वंद्व समास कहलाता है।

Trick - दोनों शब्द एक दूसरे के उल्टे होते हैं।

उदाहरण - पाप-पुण्य – पाप और पुण्य
सुख-दुख – सुख और दुख
गुण-दोष – गुण और दोष

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

⑥ **बहुव्रीहि समास** - इस समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता है दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं।

Trick - विग्रह करने पर तीसरा अर्थ निकलता है।

उदाहरण - चतुर्भुज – चार हैं भुजाएं जिनकी अर्थात विष्णु जी
लम्बोदर – लम्बा है उदर जिनका अर्थात गणेश जी
दशानन – दस हैं आनन जिसके अर्थात रावण
गिरिधर – गिरि को धारण करने वाले अर्थात श्री कृष्ण

NEXT EXAM
by
Indresh R.C.

Note :- यदि प्रश्न ऐसा दिया है कि विकल्प में कर्मधारय, द्विगु तथा बहुव्रीहि तीनों दिये हैं तब आपको हमेशा बहुव्रीहि पर ही टिक करना है। **जैसे** - नीलकंठ

NEXT EXAM